व्यक्तिगत भिन्नताए

व्यक्तिगत भिन्नता का अर्थ

कोई भी दो व्यक्ति या बालक सभी तरह से एक जैसे नहीं होते हैं। यहां तक कि दो जुड़वा भाई बहन भी पूर्ण रूप से एक समान नहीं होते हैं। उनमें रूप, रंग, शारीरिक गठन, विशिष्ट योग्यताएं, बुद्धि, अभिरुचि, स्वभाव आदि परस्पर एक-दूसरे से कुछ न कुछ अलग अवश्य होते हैं। अर्थात व्यक्तिगत विभिन्नता का अभिप्राय किन्हीं दो व्यक्तियों या बालकों के शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक तथा सामाजिक विशेषताओं से भिन्नता से है।

स्किनर के अनुसार-व्यक्तिगत विभिन्नता में संपूर्ण व्यक्तित्व का कोई भी ऐसा पहलू सम्मिलित हो सकता है जिसका माप किया जा सकता है।

व्यक्तिगत विभिन्नता में अनुवांशिकता एवं वातावरण का महत्व

व्यक्तिक भिन्नता में अनुवांशिकता कहां रहता है यह वातावरण का इस संबंध में मतभेद है। नियतिवाद विद्वानों के अनुसार यह अनुवांशिकता द्वारा निर्धारित होती है। इसलिए भिन्न-भिन्न परिवारों के व्यक्तियों की शारीरिक और मानसिक योग्यता में अंतर होता है। दूसरी और वातावरण वादियों का कहना है कि इसमें वातावरण का हाथ रहता है अतः वातावरण की भिन्नता के कारण लोगों की योग्यताओं में भिन्नता दिखाई पड़ती है।

व्यक्तिगत विभिन्नताओं के प्रकार

1-सीखने में विभिन्नता

2-विचारों में अंतर

3-शारीरिक विभिन्नता

4-संवेगात्मक विभिन्नता

5-मानसिक विभिन्नता

6-रुचिओं में अंतर

7-व्यक्तित्व में विभिन्नता

8-गत्यात्मक योग्यताओं में विभिन्नता

9-चरित्र में भेद

10-विशिष्ट योग्यता में विभिन्नता

<u>व्यक्तिगत विभिन्नता के कारण</u>

1-वंशानुक्रम

2-वातावरण

3-आयु व बुद्धि

4-परिपक्वता

5-गत्यात्मक योग्यता

6-स्वास्थ्य

7-शिक्षा एवं आर्थिक दशा

8-पृष्ठभूमि

9-लिंग भेद

10-मानसिक विकास का प्रभाव

<u>व्यक्तिगत विभिन्नता का शैक्षिक महत्व</u>

1-व्यक्तिगत शिक्षण की व्यवस्था

2-छात्र वर्गीकरण की नई विधि

3-बालकों में विशेष रूचियों का विकास

4-पाठ्यक्रम का विभिन्नकरण

5-कक्षा का सीमित आकार

6-शिक्षण पद्धतियों में अंतर

7-लिंग भेद के कारण शिक्षा में अंतर

8-गृह कार्य की नवीन धारणा

9-शारीरिक दोषों के प्रति ध्यान

10-आर्थिक व सामाजिक दशाओं के अनुसार शिक्षा